भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1751

सोमवार, 10 मार्च, 2025/19 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बाघमारा, धनबाद स्थित प्राचीन शिव मंदिर का विकास

†1751. श्री दुलू महतो:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्द्धन अभियान' (प्रसाद) योजना के अंतर्गत धनबाद संसदीय क्षेत्र के झिंझी पहाड़ी, बाघमारा में स्थित प्राचीन शिव मंदिर को पुनर्स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो मंदिर के ऐतिहासिक और वास्तुशिल्प महत्व को संरक्षित करने के लिए प्रस्तावित योजनाओं और पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) प्रसाद योजना के अंतर्गत मंदिर के निकट स्वच्छता, सुविधाओं और अवसंरचना में सुधार करने के लिए प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)" योजना के अंतर्गत चिह्नित किए गए तीर्थ गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन संबंधी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और ऐसी परियोजनाओं के लिए निर्धारित शर्तों की पूर्ति और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

प्रशाद योजना के अंतर्गत, धनबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में झिंझी पहाड़ी, बाघमारा में स्थित प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार की कोई परियोजना मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है। तथापि, मंत्रालय ने प्रशाद योजना के अंतर्गत देवघर, झारखंड में 'बाबा बैद्यनाथ धाम का विकास' नामक परियोजना स्वीकृत की है।

****